भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 299
गुरूवार, 08 दिसम्बर, 2022/17 अग्रहायण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

गोवा में संधारणीय पर्यटन

299. श्री लूइझिनो जोएक्विम फलेरोः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बंदरगाहों और जलमार्गों के माध्यम से कोयले के बढ़ते परिवहन, रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और पर्यटक क्षेत्र में फेंके गए कचरे के मलबे, टार गेंदों और कांच की बोतलों के कारण गोवा में संधारणीय पर्यटन को नुकसान हो रहा है;

(ख) क्या सरकार को इस स्थिति में सुधार के लिए कोई प्रस्ताव मिला है; और

(ग) यदि हां, तो अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और भविष्य में क्या-क्या कदम उठाए जाएंगे?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क): जी, नहीं।

(ख) और (ग): गोवा सरकार ने सूचित किया है कि पर्यटन क्षेत्र (केवल समुद्रतट) में फेंके जाने वाले कचरे, टार गेंदों तथा कॉच की बोतलों के संबंध में पर्यटन विभाग, गोवा ने कचरा इकट्ठा करने, पृथक्करण, परिवहन और निपटान सहित गोवा राज्य के समुद्र तटों की व्यापक सफाई के लिए मै. कर्नाटक कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन प्रा. लि., बैंगलौर नामक एजेंसी को नियुक्त करके समुद्रतटों को साफ रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। कार्य क्षेत्र के अंतर्गत एजेंसी ने समुद्र तटों पर श्रमशक्ति की नियुक्ति की है और समुद्र तटों पर पाए जाने वाले कचरे को नियमित रूप से इकट्ठा करके आगे निपटान/उपचार हेतु गोवा अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र को सौंप दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने गोवा सहित देश में स्थायी पर्यटन के संवर्धन और विकास के लिए स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

*****